

रीकॉर्ड सं. डी. (जी.एच.)-127

REGISTERED NO. D. (D.N.) 127

FK  
26/12/88



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 430] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 10, 1988/श्रावण 19, 1910  
No. 430] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 10, 1988/SHRAVANA 19, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1988

अधिसूचना

सं. 236/88-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 848(घ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का  
52) को धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह

समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 208/81—सीमाशुल्क, तारीख 22 सितम्बर, 1981 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के उपाबद्ध अनुसूची में, “क. जीवनदायी औषधि या औषध सीरुम के नीचे, मद सं. 186 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित मद और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“187. सेफ्टाजिडिम इंजेक्शन.”

[फ.सं. 346/70/88—टी.आर.यू.]

टी. जयरामन, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 10th August, 1988

### NOTIFICATION

No. 236/88—CUSTOMS

G.S.R.348(E)—In exercise of the powers conferred by ~~sub~~-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 208/81-Customs, dated the 22nd September, 1981, namely:—

In the Schedule annexed to the said notification, under heading “A. Life saving drugs or medicines”, after item No. 186 and the entry relating thereto, the following item and the entry shall be inserted, namely:—

“187. Ceftazidime injection.”

[F. No. 346/70/88-TRU]

T. JAYARAMAN, Under Secy.